Oct.-Nov.-2015

B.A. (Sem.2) Examination

Hindi (F.S) Paper - 3

(आधुनिक हिन्दी काव्य)

Time: 2.30 Hours Code: 4431 Total Marks : 70

१ किन्हीं दो पद्यांशों की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए । १४

(अ)''पर समाज तो सभी युगों,में ऐसा ही होता है ।
अच्छे जन के मारग में ,यह कण्टक बोता है ।''

(ब) ''इस धारा सा ही जग का क्रम,
शाश्वत इस जीवन का उद्‌गम
शाश्वत है गति,शाश्वत संगम ।''

(क) ''पर अनश्वर था सकल पल्लवित पल
ठाट जीवन का वही ,जो ढह गया है ।''

(ड) ''विश्वास हो गया ऋषि को,शबरी निश्चय पुण्यात्मा;
जाने किन कर्मों के हित,थी भटक गयी यह आत्मा । ''

२ 'शबरी' काव्य के आधार पर शबरी की चारित्रिक विशेषताएँ बताइए । १४

अथवा

२ 'शबरी'खण्ड काव्य का कथासार लिखिए । १४

३ पठित कविाओं के आधार पर कवि निराला का मूल्यांकन कीजिए । १४

अथवा

३ 'जुही की कली'कविता का केन्द्रीय भाव स्पष्ट कीजिए । १४

४ 'ताज'कविता में व्यक्त मानवतावादी इष्टिकोण की समीक्षा कीजिए । १४

अथवा

४ 'नौका विहार'कविता में व्यक्त कवि के विचार स्पष्ट कीजिए । १४

५ किन्हीं दो पर टिप्पणियाँ लिखिए । १४

१ 'शबरी' काव्य का उद्देश्य ।
२ 'प्रथम रश्मि' कविता के भाव ।
३ नरेश महेता का साहित्यिक परिचय ।
४ 'भारती वंदना' कविता में भारत माता का चित्रण ।